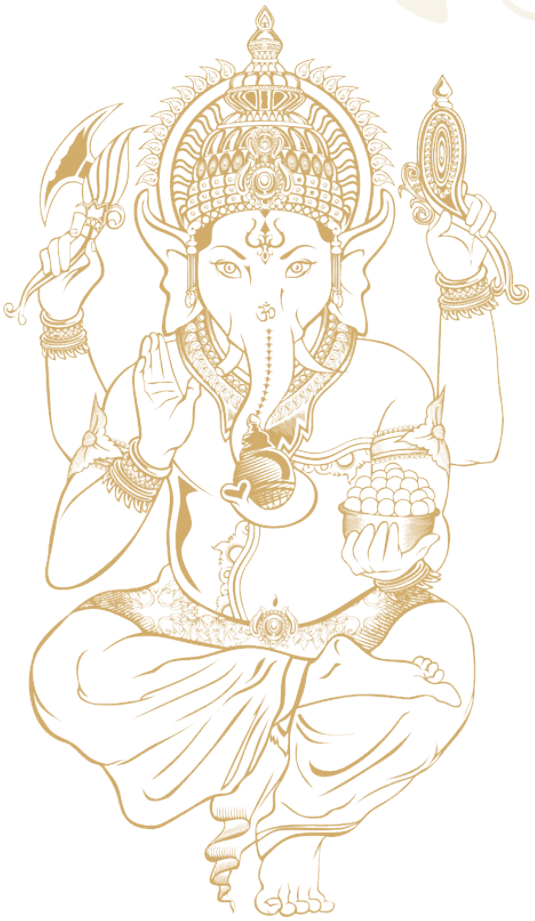

Mr.

13 Sep 1986

06:25 AM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 119695304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/09/1986**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**06:25:00 घंटे**
इष्ट	00:52:16 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:08:44 घंटे
वेलान्तर	00:03:54 घंटे
साम्पातिक काल	05:35:39 घंटे
सूर्योदय	06:04:05 घंटे
सूर्यास्त	18:20:16 घंटे
दिनमान	12:16:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:17:09 सिंह
लग्न के अंश	00:29:23 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सौभाग्य
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	धा-धर्मेन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	00:29:23	346:06:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	---
सूर्य			सिंह	26:17:09	00:58:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	स्वराशि
चंद्र			धनु	19:02:58	14:13:43	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल			धनु	24:08:31	00:22:29	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध		अ	कन्या	02:41:31	01:46:53	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
गुरु	व		कुंभ	23:54:23	00:07:57	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			तुला	11:02:31	00:48:24	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि			वृश्चि	10:28:20	00:03:26	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	27:37:23	00:02:33	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	27:37:23	00:02:33	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			वृश्चि	24:47:59	00:00:50	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप	व		धनु	09:22:14	00:00:04	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो			तुला	11:50:26	00:01:51	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
दशम भाव			मिथु	00:44:31	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:11

लग्न-चलित

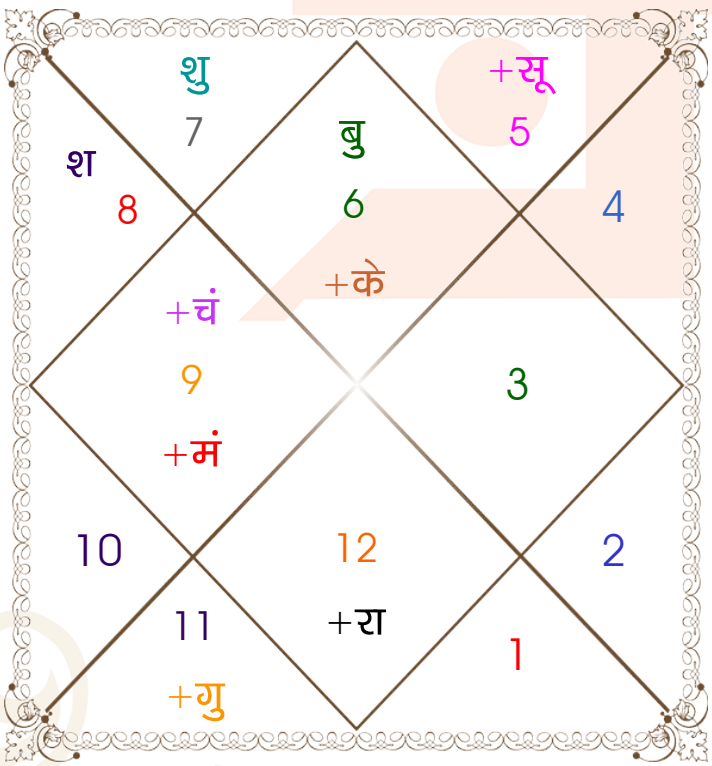

चन्द्र कुंडली

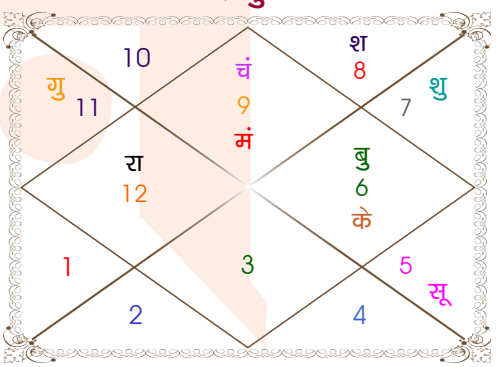

नवमांश कुंडली

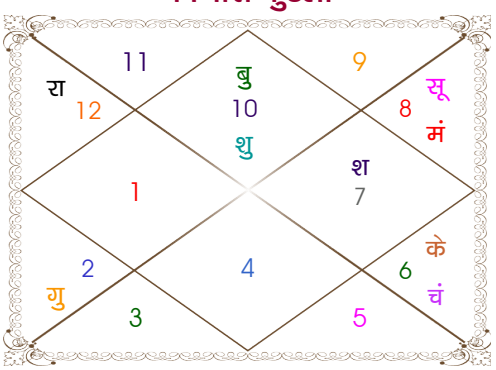

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 5 मास 3 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/09/1986		15/02/1998		16/02/2004		15/02/2014		15/02/2021	
15/02/1998		16/02/2004		15/02/2014		15/02/2021		15/02/2039	
	00/00/0000	सूर्य	05/06/1998	चंद्र	16/12/2004	मंगल	14/07/2014	राहु	29/10/2023
	00/00/0000	चंद्र	04/12/1998	मंगल	17/07/2005	राहु	02/08/2015	गुरु	24/03/2026
	00/00/0000	मंगल	11/04/1999	राहु	16/01/2007	गुरु	08/07/2016	शनि	28/01/2029
	13/09/1986	राहु	05/03/2000	गुरु	17/05/2008	शनि	16/08/2017	बुध	17/08/2031
राहु	16/04/1988	गुरु	22/12/2000	शनि	16/12/2009	बुध	14/08/2018	केतु	04/09/2032
गुरु	16/12/1990	शनि	04/12/2001	बुध	18/05/2011	केतु	10/01/2019	शुक्र	04/09/2035
शनि	15/02/1994	बुध	11/10/2002	केतु	17/12/2011	शुक्र	11/03/2020	सूर्य	29/07/2036
बुध	16/12/1996	केतु	15/02/2003	शुक्र	16/08/2013	सूर्य	17/07/2020	चंद्र	28/01/2038
केतु	15/02/1998	शुक्र	16/02/2004	सूर्य	15/02/2014	चंद्र	15/02/2021	मंगल	15/02/2039

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/02/2039		15/02/2055		15/02/2074		15/02/2091		15/02/2098	
15/02/2055		15/02/2074		15/02/2091		15/02/2098		00/00/0000	
गुरु	05/04/2041	शनि	18/02/2058	बुध	14/07/2076	केतु	15/07/2091	शुक्र	18/06/2101
शनि	17/10/2043	बुध	28/10/2060	केतु	11/07/2077	शुक्र	13/09/2092	सूर्य	18/06/2102
बुध	22/01/2046	केतु	07/12/2061	शुक्र	11/05/2080	सूर्य	18/01/2093	चंद्र	17/02/2104
केतु	29/12/2046	शुक्र	06/02/2065	सूर्य	17/03/2081	चंद्र	20/08/2093	मंगल	18/04/2105
शुक्र	29/08/2049	सूर्य	19/01/2066	चंद्र	17/08/2082	मंगल	16/01/2094	राहु	14/09/2106
सूर्य	17/06/2050	चंद्र	20/08/2067	मंगल	14/08/2083	राहु	03/02/2095		00/00/0000
चंद्र	17/10/2051	मंगल	28/09/2068	राहु	02/03/2086	गुरु	10/01/2096		00/00/0000
मंगल	22/09/2052	राहु	05/08/2071	गुरु	07/06/2088	शनि	18/02/2097		00/00/0000
राहु	15/02/2055	गुरु	15/02/2074	शनि	15/02/2091	बुध	15/02/2098		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 5 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म के समय मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश के साथ-साथ कन्या राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इन संयोजनों की आकृति आपके जीवन के प्रौढ़ावस्था तक हृष्ट पुष्ट शरीर से ज्यादा आनन्दप्रद परिवेश की स्थापना करता है।

परंतु आप यह अंगीकृत नहीं करते कि स्वास्थ्य ही सर्वोतम धन है। आप अत्यंत ही धनलोलुप हो एवं सदैव ही अत्यधिक धन प्राप्त करना चाहते हो। आप इस निर्देशन का अनुभव करते है कि आपकी छोटी से महत्वकांक्षा अंतिम क्षण तक अवश्य ही पूर्ण होगी। किंतु आपके दिमाग में एक महत्वपूर्ण धारणा यह है कि आपका भविष्य ग्रहों के प्रभाव से निश्चय ही वर्त्तमान स्थिति को उन्नति पूर्ण एवं परिवर्तनशील बनायेगा। अस्तु आप अनिवार्य रूप से निरूत्साहित नही है। आपके जीवन में अनेकों वार उत्थानपतन के अनुभव प्राप्त हुए हैं परंतु आप सभी खेल व्यवसाय की वस्तु स्थिति का मूल्यांकन कर चुके हैं। बल्कि आप अपने मस्तिष्क को इस प्रकार व्यवस्थित कर लो कि उपयुक्त समय आने पर अकस्मात् मात्र गर्त्त से ऊपर हो कर उन्नति का अनुभव कर सकेंगे और आप मुश्किल से किसी प्रकार जीवन निर्वाह करना स्वीकार करेंगे। आप अस्थिर बुद्धि के पुरूष हैं। आप एकाग्रता पूर्वक अपने संबंधित विषय वस्तुओं को परिवर्तित या स्थानांतरित करेंगे। आपको सर्वप्रथम गंभीरता पूर्वक निर्णय लेना होगा कि किस प्रकार इस विधान को अंगीकृत किया जाए। आपके लिए प्रथम दृष्टिकोण ही उत्तम निर्णय प्रमाणित होगा।

सीधे लम्बे आकृति के तिरछी भौंहों से युक्त आपके व्यक्तिगत स्वरूप का प्रदर्शन कराता हैं। बल्कि आप कार्य में अग्रसर रहते हैं, परंतु आप अड़ियल प्रवृति के अंहकार से युक्त पुरूष है। आप सदैव ही दूसरों के समक्ष असत्यवादी एवं निम्न स्तरीय प्रमाणित होते हैं। अन्ततोगत्वा आप अति कुशाग्रबुद्धि के प्राणी हैं। आप अन्य व्यक्तियों के स्तर का अपने को भी स्वीकृत करते हो। आप अपनी अंतहीन आलोचना होते देखते हो तो अधीरता पूर्वक इसे सहन नहीं कर पाते हो। जिसकी वजह से आप बहुत लोगों की ओर से अपने को विमुख कर लेते हो।

आपको अपने अधीनस्थ कार्यरत व्यक्तियों से तथा अपने कतिपय मित्रों से सतर्क रहना होगा। क्योंकि ये लोग आपके जीवन के गुप्त विषय को जानकर आपकी छवि एवं आपके व्यक्तित्व को धूमिल करने के लिए अथक परिश्रम कर सकते हैं। कुछ व्यक्ति आपके साथ वाद-विवाद करके आपके विरूद्ध समाज में आपको नग्न कर सकते हैं। अतः उत्तम तो यह है कि आप किसी भी प्रकार की संभावित घटनाओं के प्रति सतर्क रहें तथा किसी भी प्रकार के मित्र अथवा नौकरों के चयन हेतु आपको किसी के भी स्वभाव, प्रकृति की जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए। आप मिथुन लग्न राशि के कार्य व्यवसाय के समान ही अपना कार्य व्यवसाय भी निश्चित कर सकते हैं। आप अपने कार्य व्यवसाय के अन्तर्गत शेयर ब्रॉकर, एकाउन्टेन्सी, वकालत, अभियंत्रिकी कार्य के साथ-साथ रसायनिक, व्यवसायिक, फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स, शैक्षणिक एवं पराविद्या से संबंधित ज्योतिष, ध्यान, योगादि कार्य कर सकते हैं। यदि आपमें कुशाग्र बुद्धिमत्ता हो तथा बाद संवाद अर्थात् पत्रकारिता संबंधित कार्य अच्छा लगे तो आप एकाग्रता पूर्वक एक अच्छे क्षेत्रीय स्तर के नेता हो सकते हैं।

सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु वृद्धावस्था के कारण आपमें मतखिन्नता (पागलपन) जैसी प्रवृति हो सकती है। क्योंकि आप में अति मद्यपान की आदत पाई जाती है। अतएव आप किसी भी प्रकार की नशा आदि से खासकर मद्यपान से परहेज करें। आप अतिरिक्त खाद्य-पदार्थों में निरामिष भोजनादि ग्रहण करें ताकि आपकी पाचन शक्ति एवं नस संबंधी शक्ति में क्षीणता न आ सके। अन्यथा आपके पेट की गड़बड़ी से दस्तरोग तथा पीठ में दर्द की आशंका उत्पन्न हो सकता है। संप्रति आपको निरंतर छोटे मोटे रोग चोट की आशंका बनती है। अस्तु आपको सावधानी पूर्वक वाहन संचालन करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल एवं भाग्यशाली प्रमाणित हैं। परंतु अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं। अतः इस का त्याग करें।

आपके लिए रंगों में सफेद हरा, पीला, एवं सुग्गापंखी रंग अनुकूल है। परंतु नीला, लाल, एवं काला रंग सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।